इस पीढ़ी के लिए भगवान के बौद्धिक निर्णय

क्या आ रहा है

अल्फ़ा और ओमेगा

पृथ्वी के सभी निवासियों, भगवान की खुशी से स्तुति करो.

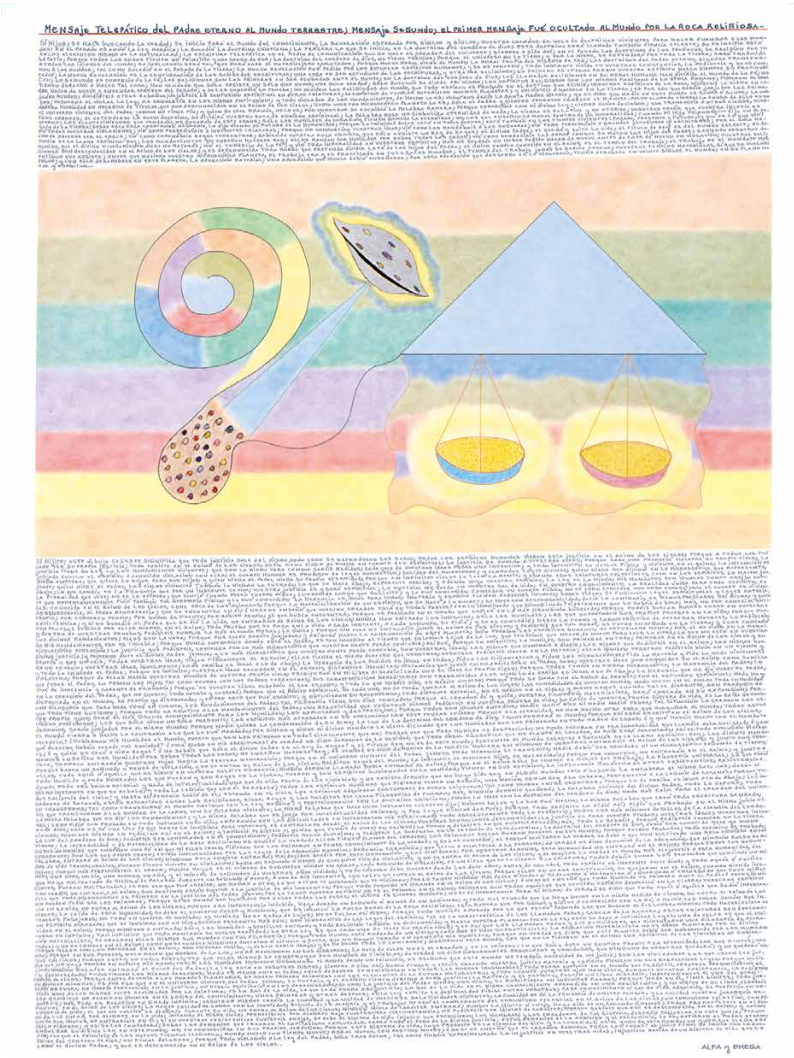

अल्फा और ओमेगा, विशाल टेलीपाथिक इंजील के लेखक हैं

क्या आ रहा है.-

क्या आ रहा है, वो हर एक पर नर्भिर है; क्युके वो लखिा गया है, की हर एक का नर्णिय उनके कामों से होगा; ईश्वर के दैवी नर्णिय में उम्र के बारह साल से लेकर सभी वचिार शामलि हैं; क्यों के केवल बच्चों को दैवी नर्णिय का सामना नहीं करना पड़ता; ईश्वर का दैवी नर्णिय तथाकथति वयस्कों के परीक्षति जीवन में चन्तिाकारक है; जो एक पल के लएि सोचा गया था वह अस्तत्वि के समान होगा; वह जसि तरीके से सोचा गया था, वह एक रोशनी अधग्रिहति हो सकता है या फरि एक रोशनी खोया हुआ; ऐसा उन चीजों के लएि है जो ईश्वर की हैं, असीम हैं; अनंत पति सूक्ष्म मानसकि प्रयास के लएि पूरा का पूरा अस्तत्वि प्रदान करते हैं.-

अल्फ़ा और ओमेगा.-

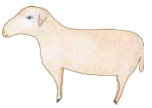

मेरे दव्यि पति यहोवा के दूर संवेदन वषियक आदेश

भवष्यि के सूची पत्र के शीर्षक

१.- जीवन के परीक्षणों में, बहुत से लोग दए गए वचन को पूरा नहीं करते, जो लोग अपूर्णता में गरि गए, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे, वह जो पूरा नहीं कयि वादा जो दूसरे को कयि था, उसे भी पूरा नहीं कयि जाएगा; अवश्विसनीय भी कड़वा बना दयि जाएगा, मानव सहअस्तत्वि, अवश्विसनीय कारणों से कई लोग अपने साथी मनुष्यों पर वश्विास खो देते हैं; जीवन के परीक्षणों की हर अवश्विसनीयता का, अस्तत्वि में भुगतान करना होगा, दूसरों के प्रत सम्मान की कमी; अस्तत्वि की यह संख्या मांस के छद्रिों की संख्या के बराबर है, कि जसिने धोखा दयि था,खुद अपने आप को; यह उस व्यक्त के लए अधकि संभावना है जो हर कसी के प्रत ईमानदार था, भगवान के राज्य में

प्रवेश करने के लिए;उस व्यक्ति की तुलना में जो मानसिक प्रतिरोध का विरोध करना नही जानता था,अजीब अधूरे वादे के लिए.-

२.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने अजीब दुनिया के अन्यायों के खिलाफ विरोध किया,कि सोने के अजीब कानून से बाहर आएं; किसी भी अजीब जीवन प्रणाली के लिए हर विरोध, किसी भी अजीब जीवन प्रणाली के लिए हर विरोध, आकाश के राज्य में असीम रूप से सम्मानित किया जाता है; यह खगोलीय पुरस्कार हर पल से पल है; और प्रत्येक दूसरे को एक हज़ार से गुणा किया जाता है; चूंकि यह एक सामूहिक स्कोर है; विरोध स्वयं के लिए नहीं था,लेकिन इसमें सभी अन्य शामिल थे; इस स्कोर में सभी मानवता शामिल है; जिन लोगों ने सार्वजनिक रूप से विरोध किया, जीवन के कई अंको के रूप में अर्जित किया है, क्योंकि यह मांस के छद्रिों की कुल संख्या है, सभी मानवता के हैं.-

३.- जीवन के परीक्षणों में, कई आसान विकल्प चुनते हैं; ऐसा कुछ नहीं जो जीवन के परीक्षणों में आसान था, कुछ भी एक पुरस्कार प्राप्त नहीं करता; जो कुछ भी आसान है वह आत्मा के लिए एक उन्नत पुरस्कार है; जीवन के परीक्षण शामिल, त्वरित से त्वरित, खुद को सुधारने में, सभी भावनाओं के माध्यम से जो भावनाओं के माध्यम से निकलती थी;

परसिंचरण का संवेदना, एक यह कि आध्यात्मकि फल को पीछे रखा और यह वभिाजति कयिा गया था; इसके लएि आत्मा काम से दूर हो गई; काम का प्रतनिधित्वि करता है सबसे तेज प्रकाश अंक; क्युनकी यह ब्रह्मांड की दव्यि नर्मिाता से बाहर आया था; यह उन लोगों के लएि है जो ईश्वर की कल्पना कर रहे हैं, परीक्षणों के दूरस्थ ग्रहों में, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि, नहीं उन लोगों के लएि जो उसकी नकल नहीं करते थे.-

४.- जीवन के परीक्षणों में,बहुत से अलग थे, जनिसे उन्होंने खुद को स्वर्ग के राज्य में अनुरोध कयिा, सभी का जीवन में परीक्षण कयिा गया था, त्वरति से त्वरति,इस कानून को समझना होगा, वशि्व के परीक्षणों के रूप में, दुनयिा का न्याय करने वाला तीसरा सद्धिांत सखिते हूवे, और सब कुछ सौर टीवी पर देखा जाएगा; जीवन की पुस्तक दव्यि गोस्पील में.-

५. जीवन के परीक्षणों में, कई खोज करते है अपने ही मन मैं तय की, हर खोज होना चाहएि, सोच भगवान है के बारे में, इसके लएि मानव आत्मा ने वादा कयिा था, खोज भगवान से पहले बोलती है, खोज के अपने कानूनों में; पति परमेश्वर से हर खोज की शकियत करती है, जब वे परमेश्वर की दव्यि सील के बनिा बाहर नकिल जाते हैं; यह उनके लएि भी अधकि है जो अपने स्वयं के खोज में हैं, भगवान की गणना करते;

उन लोगों की तरह नहीं जो नहीं माने .-

६.- जीवन के परीक्षणों में, कई बुद्धि के काम के महान टुकड़े लखिें; कसिी भी काम के हर लेखक का न्याय कयिा जाएगा शब्द से शब्द, वरिाम से वरिाम ; क्योंकि वे खुद आत्माओं के रूप में अनुरोध कएि गए, सब कल्पनीय चीज़ो के परे न्याय होने के लएि.-

७.- जो लोग दूसरों के वशि्वास का दुर्व्यवहार करते हैं, जीवन की परीक्षा में, वे भुगतान करेंगे पल से पल ; अंधेरे का यह स्कोर, दोषी लोगों से से अनुमानति है वशि्वास का अजीब दुरुपयोग;दुर्व्यवहारकर्ता अपने तरीके के; इस तरह के दुश्मनों ने दुनयिा को एक सामूहकि अवशि्वास में उड़ाया, जो इस कानून से जूझ रहा है, उसके खलिाफ एक सामूहकि फैसले है, हर अजीब कड़वाहट जो कि परीक्षणों की दुनयिा से गुजर रही है, दोषी लोगों द्वारा भुगतान कयिा जाएगा पल से पल, अणु से अणु; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जो एक अणु में भी दुनयिा के कडवो में नहीं,आकाश के राज्य में प्रवेश करने के लएि; उन लोगों की तुलना में जो खुद को अजीब अंधेरे से प्रभावति करते हैं जो वशि्वास के दुरुपयोग के रूप में जाना जाता है.-

८.- जीवन के परीक्षणों में, कई ने अपने ववािह एक नजिी

इच्छा की वजह से उसने इसे तोड़ा, जो लोग इस तरह करते थे, वे दिव्य दृष्टान्त-चेतावनी को भूल गए, जो कहते हैं: दूसरों के साथ मत करो, जो आप नहीं चाहते कि वोह आपके साथ करें; जो लोग खुद को अजीब धुंध से प्रभावित करते हैं, वे पल से पल का भुगतान करेंगे; उन्हें उन सेकंडों की संख्या की गणना करनी होगी, जो कुल समय की समाप्ति में समाई गई; प्रत्येक दूसरे के लिए लहर के अजीब प्रभाव के तहत रहते थे, उनके लिए स्वर्ग के राज्य से बाहर एक अस्तित्व है; यह उस सृजन के कारण है जो सृजन ने भगवान से अनुरोध किया, निर्णय सभी चीजों के ऊपर; शर्तें सभी चीजों के ऊपर, सभी सूक्ष्म शामिल मन जिनकि कल्पना कर सकता है, इसमें सेकंड, तत्काल, विचार, और अणु शामिल हैं; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है जो मानसिक प्रतिरोध का विरोध करते हैं, जो कि स्वर्ग के राज्य में घुसने के लिए लहरों के अजीब प्रभाव के लिए; उस विचित्र सनसनी में सो गए.-

९.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने कई लोगों को प्रभावित किया; हर सलाह का दिव्य अंतिम निर्णय में न्याय किया जाता है; जो लोग दूसरों को विभाजित या विभिक्त करने की सलाह देते हैं, वे देवता के दिव्य फैसले में विभाजन, अलगाव, भ्रम, दुराग्रस्त, विमोचन भी पाएंगे; वे अन्य दुनिया में, अन्य अस्तित्वों में भ्रमित हो जाएंगे; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है जो अपनी सलाह या विचारों के साथ

एकजुट होकर स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेंगे; उन लोगों की तुलना में जो वभिाजन का कारण बनें.-

१०.- जो लोग दूसरों को दर्दनाक उत्तेजना देते हैं, वे भी उन्हें यहाँ इस अस्तत्वि में प्राप्त करेंगे और आने वाले मे; क्योंकि वे स्वयं परमेश्वर से अनुरोध करते थे, कि वे उसी तरह न्याय करे, जैसे की वे कानून का उल्लंघन करते हैं; उसी वशिेषताओं के साथ जसिमें उन्होंने उल्लंघन कयिा; यह न्याय आत्माओं द्वारा अनुरोध कयिा जाता है, अणु से अणु को पूरा करता है, पल से पल; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जो मानसकि प्रतरिोध का वरिोध करते हैं, जो संवेदनाएं दूसरों को चोट पोह्नचाती हैं, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि; ऐसे लोगों की तुलना में जो स्वयं को खुद को ऐसे अजीब संवेदनाओं से प्रभावति होने देते हैं.-

११.- जीवन के परीक्षणों में, उन लोगों के लएि समय बहुत ही मूल्यवान था जन्हिोंने इसे अनुरोध कयिा; प्रत्येक पल चला गया, भवष्यि के अस्तत्वि के बराबर था; जो कुछ भी नहीं करते समय बर्बाद कर चुके हैं, भवष्यि की अनंत असंख्य संख्याएं खो चूके हैं; वे स्वयं अपना समय बर्बाद कर रहे हैं, स्वर्ग के राज्य में अपना प्रवेश द्वार बंद कर रहे है; पता के राज्य में प्रवेश करने में सक्षम होने के लएि, इस तरह के प्रकाश का एक स्कोर होना जरूरी था, क्योंकि यह मांस के

छद्रिों की संख्या थी, कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में था.-

१२.- जीवन के परीक्षणों में, बहुत ने दूसरों का पालन कयि; जो दूसरे की आज्ञा मानता है, उसे पता होना चाहए कि यदि कोई परमेश्वर का दव्यि नयिम पूरा करता है; जो कि परमेश्वर की ओर से अन्य अंधाओं का पालन करते हैं, वे स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे; न तो वे लोग जन्हिोंने उल्लंघन शुरू कयि और न ही उनके अनुकरण करने वाले, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश; यह उन लोगों के लए अधकि संभावना है जो उन लोगों का पालन नहीं करते थे जन्हिोंने परमेश्वर के नयिम को पूरा नहीं कयि, वे फरि से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश मलि जाएगा; उन लोगों के मुकाबले जनिकी आज्ञा का पालन की सुगमता को दूर नहीं कयि गया था, यही अनैतकि से नकिला है.-

१३.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने शारीरकि वकिलांग का मज़ाक उड़ाया; जो लोग ऐसा करते थे, वे इस अजीब उल्लंघन को उन लोगों के उसी बाधाओं के साथ भुगतान करेंगे जो वे मजाक करते थे; जो जीवन के परीक्षणों में कसिी और का मजाक उड़ाता है, उसे भगवान के दव्यि फैसले में, आरोपों के रूप में, जो सब से ऊपर सब से मेल खाती है, उपहासति व्यक्ति के पास, मांस और गुणों के अरबों अणुओं को जा मलि है; एक भी ठट्ठा फरि स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा;

यदि लाखों लोग उसको माफ कर दे, तो दिव्य पिता भी क्षमा करता है; अगर लाखों माफ नहीं करती हैं, तो नकली को फिर से पूरा करना होगा, स्वर्ग के राज्य से बाहर एक अस्तित्व, प्रत्येक अणु के लिए जो शिकायत करता है; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है जो अजीब मजाक के मानसिक प्रतिरोध का विरोध करते हैं, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो खुद को ऐसे अजीब अंधेरे से प्रभावित करते हैं.-

१४.- तथाकथित तीसरी दुनिया ट्रिनिटी की दुनिया है; यह दुनिया ग्रह की नियति का सिर बन जाती है; जो लोग तब तक प्रभुत्व रखते हैं, वे अंतिम आदेश की भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ें; अजीब दुनिया सोने के अजीब कानून से उभर रही है, विनाश करना शुरू होता है; नाश करने वाले मांस के साथ उन लोगों को बुलाया जाएगा जो उनके शरीर के पुनरुत्थान को प्राप्त करेंगे; एक ऐसी दुनिया जो छोड़ देती है और दूसरा जन्म लेती है; परीक्षणों की दुनिया के अंत तक आता है; नई दुनिया का विस्तार करना शुरू होता है.-

१५.- जीवन के परीक्षणों में, बहुत से लोगों का मानना था कि जो भगवान से आया, उन्हें मनाने के लिए आया था; ईश्वर की बात को समझने की आवश्यकता नहीं है; और समझाने की ज़रूरत नहीं है, यह स्वयं को समान रूप से विस्तारित करता

है; वज्ञिापन या प्रचार पुरुष का है; भगवान का इस तरह वस्तिारति होता है, कि प्राणी को यह भी पता नहीं होता कि वह परविर्तति हो रहा है; यह उस व्यक्ति के लिए अधकि होने की संभावना है जो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए जन्हिोंने भगवान को कोई सीमा नहीं दी; उस व्यक्ति की तुलना में जसिने उसे सीमति कयिा.-

१६.- परीक्षणों की दुनयिा द्वारा अनुरोधति रहस्योद्घाटन के आने पर, कई वर्षों से पछिड़ेपन का सामना करना पड़ा; उन लोगों के लिए जन्हिोंने पहली बार इसे प्राप्त करने का अनुरोध कयिा था, इसे पुरुषों से बाहर आने वाली चीज़ों पर वचिार करने की गलती में गरि गया; भगवान की पहचान करने का तरीका जानना, उनका सर्वोच्च परीक्षण था; कोई भी जसिने संदेह नहीं कयिा था कि वे रहस्योद्घाटन को देखते हुए, फरि भी कोई भी स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा; उन्हें उन सेकंडों को जोड़ा जाना चाहिए, जो समय के समय भगवान के बारे में सोचने की अजीब सनसनी के रूप में, जो कि मनुष्य से बाहर नकिलती है; यह उन लोगों के लिए अधकि संभावना है जो एक रहस्योद्घाटन की मांग कर रहे थे, यह तब से इनकार नहीं कयिा जब इसे प्राप्त करने का समय आया, आकाश के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो नकार के अजीब प्रभाव में गरि गए थे.-

१७.- स्वर्गीय अंक जसिने सभी लोगों से अनुरोध कयिा था, उनमें सबसे ऊंचा नैतकिताएं शामलि हैं जो मानव मन कल्पना कर सकते हैं; अजीब जीवन प्रणाली, जो सोने के कानूनों से बाहर आई, इन नैतकिताओं को वकि्रत कर दयिा; परीक्षणों की दुनयिा ने खुद का परीक्षण शुरू कयिा, प्रकाश का वकि्रत स्कोर; यह थोड़ा पुरस्कार से शुरू हुआ; तत्काल से तत्काल और भी थोड़ा सा हो रहा है; यह इस कारण के लएि है कि यह लखिा गया था: केवल शैतान वभिाजति और वह खुद को वभिाजति करता है; यह उस व्यक्ति के लएि अधकि संभावना है जो खुद को स्वयं के वभिाजन से प्रभावति नहीं होने दयिा, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि; ऐसे व्यक्ति की तुलना में जो इस तरह की अजीब सनसनीखेज कसिी मानसकि प्रतरिोध का वरिोध नहीं करता.-

१८.- जो लोग ईसा मसीह के भेड़ी के रहस्योद्घाटन को ईसा-वरिोधी बुलाते हैं, वह फरि से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा; क्योंकि वे अपने मुकदमे में असफल रहे, उन्होंने आकाश के राज्य में अनुरोध कयिा; उनके लएि परीक्षण, इनकार नहीं कयिा गया; सभी ने इनकार कयिा जो वे नहीं जानते; न्याय का काम जाने बनिा हर भीड़ फैसले हमेशा रोने और दाँत पीसने के साथ लाते हैं, जो जल्दबाजी में न्याय करते हैं; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जो जांच कएि गए कारणों पर नरि्णय लेने के लएि, स्वर्ग के राज्य

में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों के मुकाबले जिसने जल्दी निर्णय लेते हैं.-

१९.- वे सभी जिन्होंने दूसरों की राष्ट्रीयता को दूर करने की अजीब अनैतिकता को ले लिया, उनसे फिर से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने का अधिकार ले लिया जाएगा; वह देश जिसने भगवान से प्रार्थना की, सभी ग्रह शामिल है; ग्रहों के अणु भगवान के पुत्र से पहले शिकायत करेंगे, कि कई मनुष्यों ने उन्हें कुछ सामान्य रूप में नहीं माना; जो भी आम बात है वह सबके द्वारा स्वर्ग के राज्य में अनुरोध किया गया; कोई भी उदासीनता का अनुरोध नहीं करता और दूसरों से कुछ दूर ले जा रहा है; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है, जिन्होंने जीवन के परीक्षण में माना कि पूरे ग्रह उनके देश थे, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो केवल खुद को एक हिस्सा मानते हैं; ग्रहों के आणविक स्कोर कहा जाता है, जहा प्रकाश की अनंत संख्या खो देते हैं; जिनकी असीम संख्या, उन्हें फिर से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने की अनुमति देगी; यह परीक्षणों की दुनिया के लिए लिखा गया था, कि केवल शैतान विभाजन और वह खुद का विभाजन करता है.-

२०.- उद्धरण चिह्नों के मनोविज्ञान, जो कुछ भी अस्तित्व में है, उसके भरोसे में एक अजीब मनोविज्ञान है; सूक्ष्म रूप

में हर शक के नरि्माता, जैसा कि हो सकता है, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करता है; और न ही उन लोगों ने जो उनके भावों के उद्धरण चहि्नों का इस्तेमाल करते हैं, जीवन की परीक्षाओं में, कोई भी स्वर्ग के राज्य में फरि से नहीं जाता है; जो लोग परीक्षणों की दुनयिा में पतिा की खबर की घोषणा करने के लएि उद्धरण चहि्नों का इस्तेमाल करते हैं, वे या तो प्रवेश नहीं करेंगे; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जो असीम और अज्ञात, प्राकृतकि रूप से, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि सोचते हैं: उन लोगों के मुकाबले जो कि संदेह की जानकारी में डालते हैं.-

२१.- दुनयिा के तथाकथति पत्रकारों की ओर से भगवान के भेड़ के रोल के रहस्योद्घाटन का स्वागत, कम से कम माइक्रोस्कोपकि संदेह के बनिा होना चाहएि था; भगवान की ओर से जो कुछ ऐसी बात है जो मनुष्य से नकिलती है, वह ईश्वर की ओर से न्याय करने का स्थान देता है; जीवन के परीक्षणों में एक नई रहस्योद्घाटन के आगमन से, अनजान पकड़े जाने में शामलि नहीं हुए; क्योंकि यह मानवीय आत्माएं जो खुद को दुनयिा में आने वाले हर रहस्योद्घाटन से अनुरोध करते थे; यह उन पत्रकारों के लएि अधकि संभावना है, जनि्होंने स्वर्गीय राज्य में प्रवेश करने के लएि हर समय की सबसे बड़ी खबर के रूप में रहस्योद्घाटन प्राप्त कयिा; पतिा से बाहर आने वाली चीज़ों को कम करने के लएि, उन्होंने पतिा

को कम कयिा; कोई भी व्यक्तिकोई वचिार नहीं कयिा जो स्वर्ग के राज्य में अनुरोध करता है,अद्वतीय कुछ के रूप में; उन्होंने इसे सामान्य समाचार के रूप में माना, जो दुनयिा से बाहर आया; वे कुछ भी सामान्य रूप में नर्णिय प्राप्त करेंगे.-

२२.- जीवन के परीक्षणों में, कई उल्लंघनों और कई तरह के दुरुपयोग कएि गए थे; उन सभी को सौर टेलीवजिन पर देखा जाएगा, जन्हिें जीवन की पुस्तक भी कहा जाता है; इसके फैसले के बनिा कुछ भी नहीं रह जाएगा; आर्मगेडन का अनुरोध सभी के द्वारा कयिा गया था; दैवीय नर्णिय पल से पल हैं; जो कुछ भी वचिार हो सकता है, पल के अंत में उत्पन्न होने वाले वचिार, उन सभी को एक ही नर्णिय प्राप्त होता है; यह बारह साल की उम्र से शुरुआत है; बच्चों को कोई नर्णिय नहीं है; वे धन्य हैं.-

२३.- हर अजीब इंतजार कि दव्यि पतिा यहोवा के दूत को रखा गया था, पल से पल भुगतान कयिा जाता है; क्योंकि किसी ने भी संदेह का करने अनुरोध नहीं कयिा, कि दव्यि पतिा क्या भेजेगा, समय के बीतने के साथ दूरदराज के ग्रहों को, एक सेकंड में भी नहीं; हर कोई वादा करता था कि वे जीवन के परीक्षणों में पतिा के साथ तात्कालकि होंगे; जो कोई भी पतिा के साथ तत्काल काम करता है, तत्कालता के अनंत स्कोर प्राप्त करता है; जो लोगोने इंतजार करवाया , वे स्वयं को

वभिाजति करते ह; सीमा नहीं है.-

२४.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने सत्य के लिए अलग-अलग तरीकों से खोज की; सत्यवाद की खोज के अनुसार, वह स्वर्ग के राज्य से नहीं है; क्योंकि ईश्वर के राज्य में जाति में कुछ भी नहीं है; सबसे बड़ी खोज कार्य की थी; काम नरि्माता के लिए सबसे बड़ी आराधना का प्रतनिधित्वि करता है; समान रूप से कुछ भी नहीं है; हर किसी के लिए जो स्वयं में अनुकरण किया, भगवान के दव्यि दर्शन; ब्रह्मांड में पति एक नंबर का कार्यकर्ता है; अपने दव्यि काम हर स्वर्गीय शरीर के अस्तत्वि और सद्भाव को बनाए रखने में है; जो कोई भी भगवान की नकल करता है, उसकी नकल में नकल का एक स्कोर जो भगवान का है; और जैसा कि यह सखिाया गया था कि भगवान अनंत थे, उस स्कोर की कोई

२५.- जीवन के परीक्षणों में, वहाँ बहुत सी खोज थी, केवल अलग करने में सक्षम होना था, दुनयिा में क्या और क्या दुनयिा से परे था; दुनयिा का क्या क्षणकि है और कब्र तक रहता है; दुनयिा से परे क्या है, दुनयिा से दुनयिा तक कायम है; हर इंसान सोच के अनुसार कि जीवन की परीक्षाओं में किस तरह से सोचा, जैसे कि उसकी भवष्यि की गांगेय स्थति िहै; जो स्वेच्छा से स्वयं पर सीमा डालते हैं, वे सीमति होंगे;

जो अनंत में वशि्वास करते हैं, वे अनंत होंगे; हर एक ने अपना स्वर्ग बना दयिा, जैसा कि सोचा; जो कुछ भी नहीं सोचता, वे कुछ भी नहीं रहेंगे; यह उन लोगों की संभावना है जो राज्य में वशि्वास करते हैं, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करते हैं; उन लोगों की तुलना में जो वशि्वास नहीं करते थे.-

२६.- जीवन के परीक्षणों में, दुनयिा भर में घोटाले का वस्तिार हुआ; हर जगह के घोटाले सौर टीवी पर उभर आएंगे; परीक्षणों, कृत्यों और कलाकारों की दुनयिा; एक भी अपवादजनक अस्तत्वि स्वर्ग के राज्य में फरि से प्रवेश नहीं करेगा; प्रत्येक दूसरे घोटाले का भुगतान स्वर्ग के राज्य से एक अस्तत्वि के साथ कयिा जाता है; यह उस व्यक्ति के लिए अधकि संभावना है जो जीवन के परीक्षणों में प्राचीन होने का अनुरोध करता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; जो अपवादजनक था की तुलना में.-

२७.- जीवन के परीक्षणों में, कई रहस्यमय संस्थाएं थीं;जो सब कुछ गुप्त था जीवन की परीक्षाओं में , वह सौर टेलीवजिन में देखा जाएगा; मनोवज्ञिान से कुछ भी मानव वकिास में नहीं रहेगा; हर कोई जो जादूवाद को जीवति करता है, उस समय के सभी सेकंड जोड़ना होगा, जसिमें तंत्रकिावाद चली; जादू टोना के प्रत्येक सेकेंड के लिए, फरि से जीना होगा, स्वर्ग के राज्य से बाहर एक अस्तत्वि; यह उस

व्यक्ति के लिए अधिक संभावना है जो मनोभाव से आकर्षित होने की भावना का अनुरोध नहीं करता, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो इसके अनुरोध करते थे.-

२८.- जीवन के परीक्षणों में कई अन्याय थे; हर अजीब अन्याय सौर टेलीविजन पर देखा जाएगा; इस टेलीविज़न पर उस समय की विशेषताओं को देखा जाएगा, जिसमें ये कृत्य भी हुआ; टीवी बोलती है और दर्शकों को स्वयं व्यक्त करती है; भगवान के बेटे के लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा; यह कहा जाता है कि दिव्य दृष्टान्त में लिखा गया था: और वह महिमा और गौरव में आएगा.-

२९.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने देखा कि उन्हें कभी नहीं देखा जाना चाहिए था; वे क्या देखना चाहिए था, केवल एक ही मानसिक मनोविज्ञान से आया होना चाहिए था; जीवन के परीक्षण प्रत्येक कल्पनीय तरीके से एकजुट हो गई; स्वर्ग के राज्य की दिव्य समानता की नक़ल करने से; ईश्वर का कोई विभाजित नहीं है; अजीब प्रभाग जो परीक्षणों की दुनियाने सीखा, उन लोगों द्वारा बनाई गई जिन्होंने अजीब जीवन प्रणाली बनाई, जो सोने के अजीब कानूनों से बाहर निकल आए.-

३०.- प्रत्येक के फल का विभाजन, अजीब मानसिक असंतुलन

के अनुपात में होता है, जो हर किसी को अजीब जीवन व्यवस्था से विरासत में मिला, जो सोने के अजीब कानूनों से बाहर निकल आए; उन प्रभावों को जो संवेदनाओं द्वारा प्राप्त किए गए थे जिन्हें हर किसी ने स्वर्ग के राज्य में अनुरोध किया था, अणु से अणु का न्याय किया जाता है; मामले का अंतरंग, हर दिव्य अंतिम निर्णय में रोता है; यह रोना सोच भावना द्वारा भुगतान किया जाता है.-

३१.- जिसने दुनिया में पाए गए कचरे के एक अणु को उठाया, वह जीवन का एक अंक हासिल कर लिया; उसने एक अस्तित्व प्राप्त किया जो वह भगवान से चुन सकता है; वह जो परीक्षणों की दुनिया की सड़कों से उठाया गया था, अणु से अणु सम्मानित किया गया; दुनिया के कचरा संग्राहक को प्रकाश के कई बिंदु मिल गए हैं, जैसे कि वे अणुओं की कुल संख्या थी जो कचरे में थीं, जो उन्होंने अपने जीवन के दौरान एकत्र की थीं; चूंकि कचरा संग्राहक का काम समुदाय के लिए एक काम है, प्रत्येक अणु एक हज़ार से गुणा किया जाता है; यह उस व्यक्ति की अधिक संभावना है जो जीवन के परीक्षणों में कचरा एकत्र करता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जिसने उन्हें सड़क पर फेंक दिया.-

३२.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोग जो भगवान के मेमने

के रोल के अस्तत्वि को जानते थे, खुद की आस्था का पालन कयिा; जीवन के परीक्षणों को एक अनोखे तरीके से पहचानने में शामलि कयिा गया और सभी चीजों से अधकि, जो कि भगवान द्वारा भेजे गए थे, जीवन के परीक्षणों के दएि गए तत्काल में; मान्यता तात्कालकि होनी चाहएि; जो लोग असफल रहे स्वर्ग के राज्य में जो उन्होंने स्वयं अनुरोध कयिा है , राज्य में प्रवेश नहीं करेगा; दैवीय रहस्योद्घाटन ,भगवान के सामने बोलता है और खुद प्रकट करता है, दव्यि प्रकटन उन लोगों पर आरोप लगाता है जो इसके प्रति उदासीन थे; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जो समाचार में वशि्वास करते थे,राज्य द्वारा भेजे गए,स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि.-

३३.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने वादा कयिा कि वे दव्यि रहस्योद्घाटन के बारे में प्रतज्ञि ा को पूरा करते हैं, जसिे उन्होंने स्वयं स्वर्ग के राज्य में अनुरोध कयिा था; और उन्होंने इसे पूरा नहीं कयिा; उन्होंने दूसरों को स्वर्ग के राज्य में अनुरोध कएि बनिा इंतजार करवाया; वे भी प्रतीक्षा में डाल दएि जाएंगे; अंतमि नरि्णय के दव्यि घटनाओं में, अजीब प्रतीक्षा है भगवान के लएि हर पल के बदले में, उनको फरि से जीना होगा, आकाश के राज्य से बाहर एक अस्तत्वि; जो भगवान का है असीम है; सभी लोगों को यह पता था, जीवन की परीक्षाओं में आने से पहले; एक सूक्ष्म मानसकि प्रयास

के लिए, सब कुछ के दव्यि नरि्माता, सीमा के बनिा अस्तत्वि प्रदान कर्ते है; यह उन लोगों के लिए आसान है, जो उन्होंने स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए भगवान के राज्य में जो अनुरोध कयिा और वादा कयिा था; उन लोगों की तुलना में जो जीवन की परीक्षाओं में भूल गए थे.-

३४.- एक दूसरे के बीच जो चुनाव की स्वतंत्र इच्छा के माध्यम से एक राष्ट्र के राष्ट्रपति, राजा या तानाशाह का चुनाव कयिा, और दूसरा जो एक ही उपलब्धि हासलि करने की कोशशि कर रहा था, बल का उपयोग करके परीक्षा दी गई थी, पहले करीब है स्वर्ग के राज्य के लिए; दूसरा, नदिा की व्यवस्था में है; जीवन के परीक्षणों में बल का उपयोग, मानव नरि्दोषता के लिए सबसे बड़ा उल्लंघन का गठन करता है;कसिी भी कल्पनाशील तरीके से कोई भगवान से अनुरोध नहीं करता बल के उपयोग के संबंध में; क्योंकि सभी ने प्यार के नयिमों का अनुरोध कयिा था.-

३५.- जीवन के परीक्षणों में, कई सच्चाई की खोज में वभिन्नि समूहों के थे; यह एक संयुक्त खोज के लिए अधकि संभावना है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; अलग खोज की तुलना में ; दुनयिा के आध्यात्मकिवादयिों को केवल एक ही मोर्चे पर एकजुट होना चाहिए था; कसिी भी आध्यात्मकि खोज के लिए जो जीवन के परीक्षणों में

एकीकरण की तलाश में नहीं था, उसके चलने के साथ-साथ अजीब प्रभाग, जो सोना के अजीब कानूनों से उभरा था; हर आध्यात्मकिता को जानना चाहिए था, कि केवल शैतान विभाजित करता है; अजीब जीवन प्रणाली से, सोने के अजीब कानूनों से, शैतान में गठित किया गया था, विभाजन के माध्यम से शासन के अपने अजीब तरीके के लिए; यह विश्वास के एक रूप के लिए अधिक संभावना है, जो उसके नियमों में अजीब विभाजन को छोड़कर, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो इसमें शामिल थे.-

३६.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोगों ने देखा जो कि उन्होंने आकाश के राज्य में अनुरोध नहीं किया; कोई कुछ भी अनुचित भगवान से अनुरोध नहीं किया; जो अन्यायपूर्ण है, अजीब जीवन प्रणाली से उभरा है भगवान से कोई अनुरोध नहीं करता; सभी ने स्वयं और दूसरों के लिए समानता का अनुरोध किया; यह भगवान के दिव्य गोस्पेल में सिखाया गया था; जीवन की परीक्षाओं से, लोगों ने भगवान को ध्यान में नहीं लिया, जब उन्होंने जीवन व्यवस्था बनाने का फैसला किया; एक जीवन व्यवस्था बनाते समय, भगवान का क्या ध्यान रखते हुए पुरुषों के लिए, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए अधिक संभावना है; उन लोगों की तुलना में जो उसे भूल गए.-

३७.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोग उन लोगों के लिए एहसान फरामोश थे जिन्होंने उन्हें मदद की, एक तरह से या अन्य; यह अजीब अकृतज्ञता, कृतघ्न द्वारा भुगतान किया जाता है, क्षण से क्षण, अणु से अणु, परमाणु से परमाणु , विचार से विचार भुगतान किया जाता है; जो लोग अकृतज्ञता के अजीब अंधेरे से प्रभावित होते है, मानसिक प्रतिरोध का विरोध नहीं करता है, ऐसे अजीब प्रभाव के लिए; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है जो अजीब प्रभावों को जानने के लिए अनुरोध करते थे, उनके खिलाफ मानसिक प्रतिरोध का विरोध किया, जीवन के परीक्षणों के दौरान, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; उन लोगों की तुलना में जो इसके बारे में कुछ नहीं किया.-

३८.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोग जिन्होंने ईश्वरीय रहस्योद्घाटन को पहली बार देखने में अनुरोध किया था, ने पिता यहोवा के दूत को इंतजार करवाया ; हर अजीब इंतजार जो भगवान का है, पल से पल भुगतान किया जाता है; किसी ने भी जीवन के परीक्षणों में देरी करने का अनुरोध नहीं किया जो भगवान का है, एक सेकंड में भी नहीं; जो लोग इसे एक सेकंड तक इंतजार करवाते हैं, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा; उनके लिए भगवान के दैवीय निर्णय में देरी की जाएगी; यह उन लोगों के लिए अधिक संभावना है जो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए, भगवान का जो है उनके

साथ तात्कालकि थे; की तुलना में उनके लएि जो सो गया.-

३९.- जीवन के परीक्षणों में, कई घरों के मालकि वे उन्हें वृद्ध होने देते हैं; कसिी को भी उन में रहने नहीं देते; ऐसी अजीब स्वार्थ, पल से पल, अणु से अणु भुगतान कयिा जाता है; जो स्वार्थी खुद को इस अंधेरे से प्रभावति होने देते हैं, उन्हें गणना करना होगा, समय की समाप्तवािले सेकंडों की संख्या, जब तक उनकी स्वार्थीता चली; प्रत्येक दूसरे के लएि उन्हें फरि से जीना होगा, स्वर्ग के राज्य से बाहर एक अस्तत्वि ; यह उन लोगों के लएि अधकि संभावना है जनिके पास बहुत कुछ नहीं था, वे स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लएि; उन लोगों की तुलना में जो अजीब और संदग्धि बहुतायत थी.-

४०.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोग जन्हिोंने भगवान के मेमने के रोल को देखा, उनके वश्विास के रूप में जारी रखा; वे स्वतंत्र होगा; लेकनि, वे अपने स्वयं के नर्धिारण में वफिल रहे; क्योंकि वे स्वयं भगवान से वादा कएि थे, उन्हें जीवति सद्धिांतों के ईश्वरीय जनादेशों के माध्यम से पहचानने के लएि; जो अपने स्वयं के वश्विासों को पसंद करते थे, उनके साथ चलते हैं; जनि लोगों ने पसंद कयिा जो भगवान से बाहर आया, वे ईश्वर के साथ चलते हैं; जीवन के परीक्षणों में, आपको पता होना चाहएि कि क्या चुनना है.-

४१.- जीवन के परीक्षणों में, कई लोग ईश्वर के दिव्य गॉसस्पेल में उलझन रखते थे, विश्वास के अजीब रूपों के साथ; सभी प्रकार के विश्वास, प्राणियों की स्वतंत्र इच्छा से निकल आए, जिन्होंने ईश्वर की ओर से एक दैवीय निर्णय के लिए इंतजार किया; दूसरों के द्वारा सिखाए गए धर्मों के साथ यह सावधानी बरतने के लिए पर्याप्त था; परीक्षणों की दुनिया का सबसे बड़ा अंधापन, यह महसूस नहीं कर रहा था कि यह विश्वास स्वयं ही जीवन प्रणाली से संबंधित होना था; सभी ने भगवान से वादा किया था, कि भौतिक और आध्यात्मिक दोनों के बीच पूरी तरह से बनाना; किसी ने भी कल्पनाशील तरीके से पृथक्करण या विभाजन का अनुरोध नहीं किया; क्योंकि सभी को पता था, कि केवल शैतान विभाजित किया गया दिव्य पिता याहोवा का विरोध करने के लिए; किसी ने भगवान से प्रार्थना नहीं की, शैतान की नकल करने के लिए, क्योंकि सभी जानते थे कि शैतान का हर अनुकरणकर्ता फिर से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा.-

४२.- जीवन के परीक्षणों में किए गए प्रत्येक सामूहिक कार्य ने प्रकाश का एक बहुत उच्च अंक हासिल किया है; सामूहिक जॉ की दैवीय समानता का अनुकरण है, दिव्य पिता यहोवा द्वारा सिखाया; यह काम करने वाले लोगों के लिए अधिक संभावना है, दूसरों के बारे में सोचना, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए; काम करने वाले लोगों की तुलना में,

केवल खुद में सोचा; जो व्यक्तगित था व्यक्तिक सीमति है; जो सामूहकि है असीम रूप से वसि्तारति हो जाता है; जो सामूहकि और आम है भगवान का है; जो व्यक्तिका है आत्मा का है; हर सामूहकि कार्य दव्यि अंतमि नरि्णय के वक्त, दान का सबसे बड़ा रूप है, जो आत्मा से बाहर नकिलता है.-

अल्फ़ा और ओमेगा.-

दीर्घ प्रतीक्षति रहस्योद्घाटन की शुरुवात कैसे हुई?

दैवी पिता के दूत होने के नाते सन १९७५ और १९७८ के बीच, रहस्योद्घाटन की शुरुवात में होने वाले उनके अनुभव और सनातन से मिलने वाले दुरसंवेदंशील आदेशों के बारे में उन्होंने

बताया. देव दूत अल्फ़ा और ओमेगा की लीमा में हुई बातों की कैसेट रकिार्डगि का अनुवाद नमि्न प्रकार से है.

-अल्फ़ा और ओमेगा: देखो मैं आम इंसान था; मैं हमेशा से आम ही रहा; केवल यहाँ मैं आदेशों का पालन करता हूँ; पति ने मुझसे एक बार कहा, उन्होंने मुझसे नोट पैड पर कुछ लखिने को कहा जो मेरे पास अभी भी है; उन्होंने मुझे एक संदेश दयिा, उन्होंने लखिवाया; वह लेखन मुझे याद है: बेटा चुनो, क्या तुम ईश्वर की सेवा करना चाहते हो या फरि तुम्हारा सांसारकि जीवन यूँ ही गुज़ारना चाहते हो?; तुम्हें चुनना होगा, क्यों की तुमने अपने जीवन में स्वतंत्र इच्छा की मांग की थी, जैसा सब करते है; उन्होंने सोचने के लएि मुझे तीन मनिट दएि; इस बात को ध्यान में रखें की उन्होंने मुझे चुनाव करने का पर्याय दयिा; फरि मैंने उनसे

कहा..... मैं उनसे दूरसंवेदनता से उत्तर देने जा रहा था- नहीं पुत्र, लखिति में, क्यों के तुमने लखिति का अनुरोध कयिा था; इश्वर को हर भावना का नविदन कयिा जाता है, फरि मैंने उनसे कहा: पति जेहोवा, मैं आपका अनुकरण करता हूँ, क्यों की जो मनुष्यों का है वह सनातन नहीं है, मैं उन्ही का अनुसरण करना पसंद करूँगा जो अनंत हैं.

- भाई: लेकनि, क्या उस वक्त तुम छोटे थे?

- अल्फ़ा और ओमेगा: हाँ.

- भाई: सात साल की उम्र में तुम यह सब जान गए?

- अल्फ़ा और ओमेगा: हाँ, हाँ; वह नोट पैड अभी भी मेरे साथ है और वह कागज़ पीला हो चुका है, मुझे उसे सूट केस में रख देना चाहिए था, वो वहां कहीं है; और फरि पति ने मुझसे कहा: हाँ पुत्र, मुझे पता था, लेकनि तुम्हें

परीक्षा में खरा उतरना था; यद्यपि सनातन जानते हों, तुम्हें परीक्षा में खरा उतरना होता है; क्यों के अगर तुम खरे नहीं उतरते तो तुम्हें कोई अनुभव नहीं होता.

- बहन: लेकिन क्या उन्होंने ऐसे ही तुम्हें चुनकर अचंभित कर दिया; याने ऐसे ही अप्रत्याशित रूप से उन्होंने तुम्हें चुना?

- अल्फ़ा और ओमेगा: हाँ मैं तुम्हें वही बताने जा रहा हूँ, हर अकल्पनीय घटना का अनुरोध ईश्वर से किया जाता है, जिस तरह लोग आविष्कार का अनुरोध करते हैं, ठीक वैसे ही मैंने प्रकाशित करने का अनुरोध किया, हर एक ने अपने अस्तित्व का अनुरोध ईश्वर से किया; जैसे जो धार्मिक है उसने केवल उपदेश देने का अनुरोध किया था विभाजन करने का नहीं; ना हीं शैतान की नक़ल करने का; ऐसा सुनने में ही कितना बेतुका लगेगा: पिता, मैं

जब दूर दुनयिा में जाऊँगा तो अपने भाइयों को वभिाजति करूँगा, सुनने में ही अनादर पूरण लगता है; नहीं?; जब तुम यह जानते हो की ईश्वर ही शुद्ध प्रेम ह.

अल्फ़ा और ओमेगा नयिमावली के शीर्षकों के बारे में कहते हैं: यह जान लें की कई ऐसे शीर्षक हैं जो कुछ ही समय में आने वाले है, पतिा कहते हैं, लगभग १०,००० शीर्षक नश्चिति रूप से; जैसे क्या आ रहा है? एक शीर्षक है, ऐसे १०, ००० नोटबुक में भेजे जा चुके हैं; नयिमावली का प्रथम हस्सिा नोटबुक में है; शुद्ध शीर्षकों से करोड़ों कतिाबें बनानी हैं जसिे क्या आ रहा है कहा जायेगा; सर्फि शीर्षक; फरि दुनयिा की सभी भाषाओं में अनुवाद कयिा जाएगा, ऐसा पतिा कहते हैं, क्यों के ईश्वर सर्वत्र हैं.

अल्फा और ओमेगा

इस पीढ़ी के लिए भगवान के बौद्धिक निर्णय

पृथ्वी के सभी निवासियों, भगवान की खुशी से स्तुति करो.

मानव अनुवाद के प्रोजेक्ट में आपका स्वागत है.

हम आपको अपने अल्फा या प्रारंभिक चरण में टेलपिथिक संदेश के मानव अनुवाद का परिचय देते हैं। यह संदेश स्पेनिश में लिखा गया था.

ग्रहों के समुदाय को इन अनुवादों का क्रम चाहिए। इसलिए बेहतर अनुवाद के साथ प्रस्तावों को प्राप्त करने के लिए.

आप एक क्लिक के साथ पुस्तकें डाउनलोड कर सकते हैं, इन नमूनों में केवल पहले भाग होते हैं; संपूर्ण पुस्तकें इस मेनू से डाउनलोड की जा सकती हैं:

दिव्य विज्ञान, यह एक ही टेलीपाथिक शास्त्र है; और उसका

प्रतीक परमेश्वर का मेम्ना है।

अल्फा और ओमेगा, वशिाल टेलीपाथकि इंजील के लेखक हैं । उन्होंने स्पेनशि में ४,000 रोल लखि हैं, चलिी और पेरू के देशों में १९७८ के साल तक । उसकी दव्यि प्रकटीकरण, रहस्योद्घाटन की कतिाब में घोषति कयिा गया है जैसे रोल और मेम्ने (अध्याय ५)। यह वज्ञिान, सभी चीजों की उत्पत्तकि बारे में बताता है और बताता है कआिने वाले क्या हैं।

टेरेस्ट्रयिल वर्ल्ड के लएि अनंत पतिा का टेलीपैथकि संदेश...

रहस्योद्घाटन के लएि सदयिों से इंतजार है।शोधकर्ताओं ने महान तथ्यों की जांच की, जो दक्षणि अमेरकिा में हुई थी; चलिी और पेरू में, १९७८ के वर्ष तक । नई रहस्योद्घाटन पवत्रि शास्त्रों की नरितरता है। रहस्योद्घाटन पृथ्वी पर फैल जाएगा, और दुनयिा के सभी भाषाओं में अनुवाद कयिा जाएगा; और इसमें कोई इंटरप्रेटर नहीं होगा जो इसमें भाग नहीं लेगा; क्योंकप्रिरत्येक अक्षर के अनुवाद लएि, प्रकाश की एक प्रकाश के तुल्यकालन है जो कमाया जाता है । लेखक : अल्फा और ओमेगा

यहाँ मोहर का रहस्योद्घाटन है; और इसका मतलब है कि

केवल एक पति द्वारा भेजे गए है, आप परमेश्वर के मेम्ने के रोल लखि सकते हैं। परमेश्वर के मेम्ने के सभी रहस्योद्घाटन पतले कागज और गत्ता के रोल में होंगे; कि शास्त्र को पूरा किया जा सकता है, फिर दुनिया को दिया जाता है। रोल शास्त्रों के एक दर्शन में समाहित हैं; और उनके ज्ञान का कोई अंत नहीं है। लेखक : अल्फा और ओमेगा

धी लेम्ब की नियिमावली (पांचवा रहस्योद्घाटन)

सेलेस्टयिल साइन्स

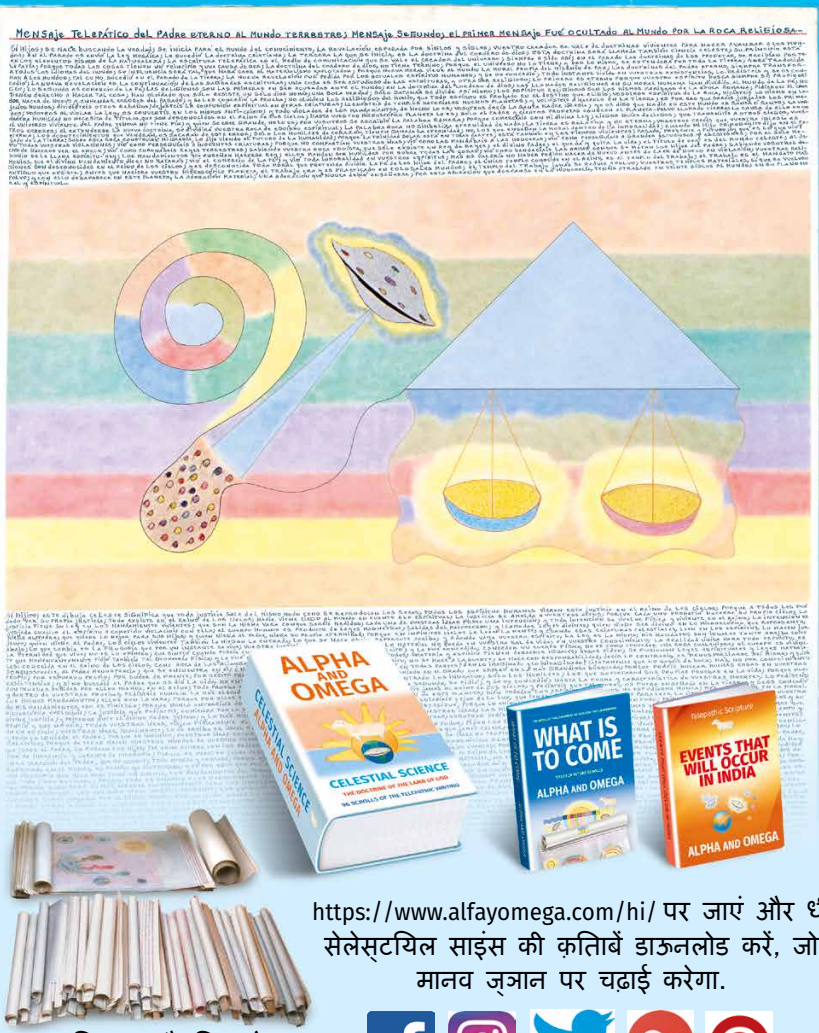

https://www.alfayomega.com/hi/ पर जाएं और धी सेलेस्टयिल साइंस की क़िताबें डाऊनलोड करें, जो मानव ज़्ञान पर चढ़ाई करेगा.

वज़्ञिान, नैतकिताएं, मनोवज़्ञिान और दैवी नर्णिय.

https://www.facebook.com/RevelacionAlfayOmega/